# दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
## गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in


## 3.2.1 - Institution has created an ecosystem for innovations

The college has established Gorakhnath Sahityik Kendra in collaboration with U.P. Hindi Sansthan. During the year (2020-21), two days National Seminar on "Acharya Bhagwati Prasad ke Vyaktitva evam Krititva" on 9th and 10th January was organized.

2. The college is working in collaboration with Krishi Vigyan Kendra, Peppeganj with its incubation centre to provide skill training and entrepreneurship development among students. During year (2020-21), field visit was organized by Botany & Zoology Department on 25 February 2021.

3. The college has a placement and counselling cell which organizes placement drive(on 9 February & 18 to 25 March 2021), gives information regarding placement opportunities, organizes lectures of experts of different fields etc

4. The college is establishing a Harberium & Herbal Botanical Garden in the Department of Botany to facilitate easy identification of local wild plants.

5.We have a Research magazine and research project Committee to facilitate research activities. We have established linkages and MoUs have been signed for research facilities and on-the-job training.

6. The department of Physical Education organized a one-day National Seminar on 'Yoga and Social Health' in collaboration with the International Federation of Yoga, New Delhi on 21.06.2021.

Principal
Digvijai Nath P. G. College
Gorakhpur

# दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
# गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
*सम्बद्ध*
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

Cure All Security Services Pvt. Ltd.

Branch Office: Capital Square, Near Godadra, Surat-395010, Gujarat
Contact No.: +91 9737549288, +91 9695077246.
E-mail: casspltd0115@gmail.com

Ref.No : 534G51

Date: 01 July 2019

## Certificate of Training and Placement

It is certify that below mentioned students of Digvijay Nath P.G college Gorakhpur have got training and placement as a security guards as per Central government & State Government ruling "**Private Security Agency Regulation Act, 2005**" including Physical fitness training, physical security, security of assets, fire fighting, crowd control, leaders & management training .These 15 days trainings from 16 June 2019 to 30 June 2019 completed with minimum 40 hrs of classrooms instructions and 16 hrs of field training.

The entire trainee listed below have completed the training successfully.

**List of trainee:**

1. Mr. Arjun kumar
2. Mr. Vipin Pratap Singh
3. Mr. Ankit Yadav

Col Ram Mohan Pandey
(Director)

For CURE ALL SECURITY SERVICES PVT. LTD.

रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग
दिग्विजय नाथ पी० जी० कालेज, गोरखपुर

Principal
Digvijai Nath P. G. College
Gorakhpur

# दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
## गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
*सम्बद्ध*
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

Principal
Digvijai Nath P. G. College
Gorakhpur

# दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
# गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

*सम्बद्ध*

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in




अमर उजाला | गोरखपुर | amarujala.com

## 'ऑनलाइन पढ़ाई है उपयोगी, बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने की जरूरत'

### शिक्षकों ने ऑनलाइन एजुकेशन की महत्ता और चुनौतियों पर रखे विचार, अमर उजाला फाउंडेशन ने किया आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। कोरोना संक्रमण के बीच अगर ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प नहीं मिलता तो शायद हम बहुत पीछे होते। यह महत्ता है ऑनलाइन एजुकेशन की, लेकिन चुनौतियां भी ज्यादा हैं। इस विधा में शिक्षकों को निपुण होना पड़ेगा। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की जरूरत है, ताकि ग्रामीण इलाकों में बिजली और मोबाइल फोन के नेटवर्क की समस्या न रहे।

AMAR UJALA FOUNDATION

यह विचार रविवार को गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमपी पीजी कॉलेज व डीवीएन पीजी कॉलेज के शिक्षकों ने अमर उजाला फाउंडेशन की पहल के तहत आयोजित ऑनलाइन संवाद में रखे। 'ऑनलाइन एजुकेशन की महत्ता और चुनौतियां' विषय पर शिक्षकों ने कहा कि ऑनलाइन पढ़ाई अच्छी है, लेकिन इसे ऑफलाइन पढ़ाई का पूरा विकल्प नहीं कहा जा सकता है। कक्षा की पढ़ाई से संवाद बेहतर होता है।

ऑनलाइन एजुकेशन की गुणवत्ता बढ़ाने की जरूरत है। इसके लिए शिक्षकों को खुद निपुण होना पड़ेगा। ऑनलाइन पढ़ाई का माहौल कक्षाओं की तरह हो, ऐसा प्रयास होना चाहिए। सतत मॉनिटरिंग की जरूरत महसूस की जा सकती है। जरूरत बुनियादी ढांचा को मजबूत करने की है। ऑफलाइन और ऑनलाइन की मिश्रित व्यवस्था उपयोगी होगी।
– **प्रो. अजय शुक्ला,** अंग्रेजी विभाग गोरखपुर विश्वविद्यालय

ऑनलाइन कक्षाएं सार्वकालिक नहीं, तात्कालिक हो सकती हैं। संवाद कायम करने का नया तरीका मिला है, लेकिन इससे विद्यार्थी पूरी तरह से लाभान्वित नहीं हो पाते हैं। गुणवत्ता बोध का न हो पाना बड़ी कमी है। इसके दुष्परिणाम भी हैं। जैसे छात्रों में तनाव की समस्या। आंखों में जलन या अन्य तरह की दिक्कतें।
– **प्रो. प्रत्युष दुबे,** हिंदी विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय

ऑनलाइन पढ़ाई समय की मांग है। ई-कंटेंट की जगह वीडियो लेक्चर और पीपीटी अपलोड करने से विद्यार्थियों को ज्यादा लाभ हुआ है। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन पढ़ाई मुश्किल है, क्योंकि उनके पास संसाधन नहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की समस्या बनी रहती है। मोबाइल का नेटवर्क भी बेहतर नहीं है।
– **डॉ. मनीष पांडेय,** समाजशास्त्र विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय

ऑनलाइन पढ़ाई सिर्फ विकल्प बन सकती है। इसमें मोबाइल या ब्राडबैंड नेटवर्क और बिजली की समस्या बड़ी बाधक है। गांवों में एक मोबाइल से कई बच्चे पढ़ते हैं। बुनियादी सुविधाएं बढ़ानी होंगी। हां, इतना जरूर है कि आपातकाल में यह एक बड़ा हथियार है। इसका जितना बेहतर इस्तेमाल किया जाए, उतना अच्छा है।
– **डॉ. वंदना सिंह,** विधि विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय

ऑनलाइन पढ़ाई के लिए शिक्षकों को भी निपुण होना पड़ेगा। अगर इसे सही ढंग से अपनाएं तो यह कम खर्चीली है। मेरे हिसाब से ऑनलाइन शिक्षा काफी हद तक उपयोगी है। कोरोना का संकट लंबे समय से है। ऑनलाइन एजुकेशन का विकल्प नहीं मिलता तो चुनौतियां और बढ़ सकती थीं।
– **डॉ मीतू सिंह,** समाजशास्त्र विभाग गोरखपुर विश्वविद्यालय

कोरोना काल में अगर ऑनलाइन कक्षाओं का विकल्प नहीं मिलता तो शिक्षा बहुत पीछे चली गई होती। ऑनलाइन एजुकेशन समय की जरूरत है। शिक्षक और विद्यार्थी दोनों को दक्ष होना पड़ेगा। विद्यार्थियों के लिए भी यह उपयोगी है, समय की बचत होगी। कम खर्च में ही अच्छी पढ़ाई की जा सकेगी।
– **डॉ. अभिषेक वर्मा,** भौतिक विज्ञान विभाग, एमपी पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़

ऑनलाइन पढ़ाई में बहुत सारी चुनौतियां आईं। समय के हिसाब से उसका रास्ता निकला है। एक साथ अब एक हजार लोग सोशल प्लेटफॉर्म पर जुड़ सकते हैं। सबसे बड़ी समस्या नेटवर्क की है। यह सच है कि ऑफलाइन पढ़ाई से व्यक्तित्व का विकास होता है।
– **डॉ. पवन पांडेय,** कंप्यूटर साइंस, डीवीएन पीजी कॉलेज

Principal
Digvijai Nath P. G. College
Gorakhpur

# दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
# गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
*सम्बद्ध*
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in



गोरखपुर। सोमवार • 22 फरवरी • 2021 सहारा


## रानित, अरव व प्रियांशु को मिला सोना

गोरखपुर (एसएनबी)। ताइक्वान्डो एसोसिएशन गोरखपुर व दिग्विजयनाथ ताइक्वान्डो ट्रेनिंग सेंटर के तत्वावधान में 12वीं जिला स्तरीय ताइक्वान्डो प्रतियोगिता रविवार को डीवीएनडीसी परिसर में हुई। प्रतियोगिता का उद्घाटन डीवीएनडीसी के प्राचार्य डा. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। प्रतियोगिता में विभिन्न ट्रेनिंग केंद्रों के 150 खिलाड़ी सब जूनियर, जूनियर सीनियर, महिला एवं पुरुष वर्ग में प्रतिभाग कर रहे।

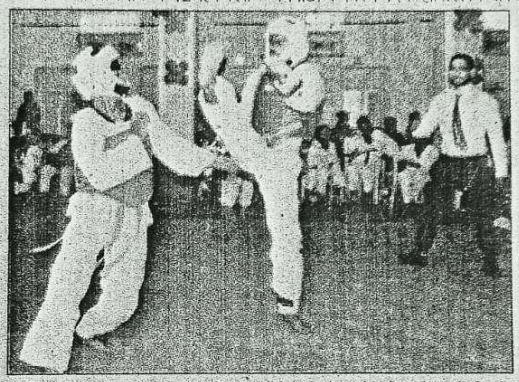

दिग्विजयनाथ पीजी कालेज में जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियागिता में भिड़ते खिलाड़ी। फोटो : एसएनबी।

जूनियर बालक 18 किग्रा में रानित ने स्वर्ण पदक जीता। अभिकेत सिंह ने रजत तथा वैदिक ने कांस्य पदक हासिल किया। सब जूनियर अंडर 21 किग्रा में अरव पांडेय ने स्वर्ण, गौरंग पांडेय ने रजत पदक जीता। सब जूनियर बालक अंडर 23 में प्रियांशु दूबे ने स्वर्ण, आयुष प्रजापति ने रजत, शिवेन्द्र चक्रवर्ती व रुद्र त्रिपाठी ने कांस्य पदक हासिल किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डा. परीक्षित सिंह, विशिष्ट अतिथि अवधेश शुक्ला एवं डा. संजय त्रिपाठी के अलावा एसोसिएशन के सचिव लालदेव यादव, अध्यक्ष सिद्धेश्वर पांडेय, उत्तर प्रदेश ताइक्वान्डो एसोसिएशन के पर्यवेक्षक गिरीश सिंह, उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश ताइक्वान्डो एसोसिएशन, अभिषेक कुमार विश्वकर्मा सचिव महाराजगंज ताइक्वान्डो एसोसिएशन, दिग्विजयनाथ ताइक्वान्डो प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षक आदित्य जायसवाल, आशुतोष सिंह, रवि श्रीवास्तव सुनील सिंह, प्रदीप चौबे, रामजनम यादव, आरएन गुप्ता एवं संजय यादव आदि उपस्थित रहे।

Principal
Digvijai Nath P. G. College
Gorakhpur